डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 331 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 19 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मामला सरपंच पुत्र के साथ मारपीट का...

हिन्दू समाज ने किया दलौदा थाने का घेराव

दलौदा, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अनंत चतुर्दशी की दोपहर ग्राम रिच्छा बच्चा के ग्रामीण जन पूरी तरह से भगवान गणेश जी की पूजा, अर्चना, विसर्जन शोभायात्रा में लीन थे। तभी ही गांव का माहौल खराब करने के लिए कुछ उपद्रवी नहाने के बहाने ग्राम के सरपंच समरथ पाटीदार के खेत पर पहुंचे और खेत पर कुछ पाइप तोडफोड़ कर दिए तो सरपंच पुत्र ने मना किया। जिसके बाद उपद्रवी युवाओं ने सरपंच पुत्र मयंक पाटीदार के साथ मारपीट की। करीब 10 युवकों ने मिलकर मयंक के साथ मारपीट की ओर धाराधर नुकीले हथियार से हमला कर दिया। सूचना मिलने पर गांव के सभी लोग एकत्र होकर थाने पर पहुंचे।

ग्राम रिच्छा बच्चा के सरपंच समरथ पाटीदार बताया कि मंगलवार 17 सितंबर को गांव सोनगरी से वर्ग विशेष के 9, 10 लड़के मेरे कुए पर नहाने आए थे। इस दौरान मोटर पाइप, केबल तोड़ दिए। जब मेरे बालक मयंक पाटीदार ने मना किया तो उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिसके बाद करीब 500 की संख्या में युवक सहित हिंदू संगठन के कार्यकर्ता थाने पर पहुंचे और आरोपियों को पकड़ने की मांग को लेकर थाने के बाहर बैठ गए। काफी देर पुलिस द्वारा टालने के बाद आरोपी को पुलिस पकड़कर लाई और फरियादी ने थाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। कुछ समय बाद ही पुलिस ने दावा किया की आरोपी को पकड़ लिया हैं। लेकिन फरियादी समरथ पाटीदार सहित समाज जन ने सभी 10 आरोपियों को पकड़ने की मांग की। इसी संदर्भ में बुधवार 18 सितंबर को फरियादी समरथ पाटीदार के समर्थन में सैकड़ों सर्व हिंदू समाज के लोग इकट्ठे हुए और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन एसडीओपी किर्ती बघेल को दिया गया। ज्ञापन का वचन नरेंद्र पाटीदार ने किया। ज्ञापन देने में अंशुल बैरागी, धीरज पाटीदार, जीवन पाटीदार, विकास सुराणा, हेमंत धनोतिय, मधुसूदन पाटीदार सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

नौ आरोपी गिरफ्तार–वही मौके पर पहुंची एसडीओपी कीर्ति बघेल ने प्रदर्शन कर रहे लोगो को समझाते हुए कहा कि 9 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं और एक आरोपी को पकड़ने के लिए टीम गई है। जिसे भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सभी आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

मंदसौर के 213 स्कूल में सिर्फ एक शिक्षक

शैक्षणिक सत्र के तीन माह से ज्यादा गुजरे, अतिशेष के बाद होगी अतिथियों की भर्ती

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में शिक्षकों की कमी से सरकारी स्कूलों में शिक्षा का हाल-बेहाल है। मंदसौर जिले में भी 213 प्रावि और मावि ऐसे हैं, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। ये ही बच्चों को सभी विषय पढ़ाते हैं। ऐसे में यहां किस गुणवत्ता की शिक्षा दी जा रही होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। अतिशेष की प्रक्रिया के बाद अतिथि शिक्षकों की भर्ती होगी। जबकि, शैक्षणिक सत्र के तीन माह से ज्यादा गुजर चुके हैं। इधर अतिशेष की प्रक्रिया में विसंगतियों के आरोप भी लग रहे हैं। शिक्षक कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाने लगे हैं। ऐसे में अतिथि शिक्षकों की भर्ती कब तक हो पाएगी, इसकी तारीख निश्चित नहीं है।

माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों के 650 में से 150 पद रिक्त...

जिले के प्रावि में 2830 पद स्वीकृत हैं, इसमें से अधिकांश पद रिक्त हैं। मावि में सबसे अधिक खराब स्थिति इंग्लिश विषय की है। 650 स्वीकृत पदों में 150 पद रिक्त हैं। बता दें कि प्रावि में न्यूनतम 2 और मावि में 3 शिक्षक होना अनिवार्य हैं।

दो हजार से पद्रह सौ हुए स्कूल...

सरकार के लाख दावों के बीच सरकारी शिक्षा के मंदिर खस्ताहाल हैं तो कई शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। जिले में 966 प्रावि व 624 मावि स्कूल हैं। इनमें करीब 50 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। जिले में ये स्थिति तब है जब 10 साल में मर्ज करने या यूं कहें बंद करने की स्थिति में आने के चलते 2 हजार स्कूलों की संख्या 1500 पर आ गई है।

लगा सकते हैं पढ़ाई का अंदाजा...

प्रावि और मावि की बात करें तो 213 स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक है। निजी स्कूलों में त्रैमासिक परीक्षा की शुरुआत हो चुकी है। जबकि, सरकारी स्कूलों में हायर सेकंडरी और हाई स्कूल का टाईम टेबल जारी हो चुका है। इधर दो सौ से अधिक स्कूल जुगाड़ मतलब अतिथि शिक्षकों का इंतजार कर रहे हैं। स्कूलों में विषय विशेषज्ञ के इंतजार में किताबें ही नहीं खुली है। मतलब साफ है कि बच्चों को इस सत्र में पढ़ाई के लिए अधिकतम सात माह ही मिल पाएंगे।

इनका कहना...

जिन जिलों के स्कूल शिक्षक विहीन या एक शिक्षक हैं, वहां पर अतिशेष शिक्षकों को भेजा जाएगा। उसकेबाद खाली पदों पर अतिथि शिक्षकों को रखा जाएगा।

डॉ संजय गोयल, सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल

प्रदेश के इन 10 जिलों के स्कूल में एक शिक्षक

शिवपुरी	-	420
सतना	-	413
रीवा	-	409
विदिशा	-	351
सिंगरौली	-	281
देवास	-	273
सागर	-	271
राजगढ़	-	244
मंदसौर	-	213
छतरपुर	-	202

प्रदेश में शिक्षकों की स्थिति

प्राथमिक शिक्षकों की संख्या- 1.40 लाख, प्राथमिक शिक्षकों के खाली पद- 20 हजार, माध्यमिक शिक्षकों की संख्या -61 हजार, माध्यमिक शिक्षकों के खाली पद-50 हजार

चयनित की नियुक्ति नहीं, वेटिंग वालों के लिए पद नहीं

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा बदहाली का शिकार हो रही है। इस बार हाई स्कूल का परिणाम कम होने के बावजूद विभाग ने इससे सबक नहीं लिया। वर्तमान शिक्षा सत्र से बेस्ट ऑफ फाइव पद्धति भी समाप्त हो रही है। ऐसे में रिजल्ट को सुधारना विभाग के लिए बड़ी चुनौती होगा। बावजूद इसके अब तक स्कूलों में शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो सकी है। वर्तमान में स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर असंतोष बना हुआ है। अनेक शिक्षक अपनी पदस्थापना रुकवाने के लिए कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं।अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था भी अब तक नहीं हो सकी है।

वेटिंग वाले कर रहे पद बढ़ाने की मांग...

वेटिंग वाले शिक्षक लगातार पद बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पद संख्या कम होने की वजह से वेटिंग में है। कई विषय में तो हर वर्ग के 10-12 ही पद आ रहे हैं। ऐसे अभ्यर्थी भी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। इन अभ्यर्थियों ने बताया कि विभाग इस संबंध में कोई स्पष्टजवाब नहीं दे रहा है। पात्रता और चयन परीक्षा पास करने के बाद भी वे अधर में हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश भर में विभिन्न तरह के शिक्षकों के 80 हजार से ज्यादा पद खाली हैं।

संस्कृत, भूगोल जैसे विषयों के शिक्षक ही नहीं...

कई स्कूलों में जहां छात्रों की संख्या कम है, वहां संस्कृत, भूगोल जैसे विषयों के शिक्षक ही नहीं है। जल्द ही स्कूलों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। शिक्षकों के मुताबिक अभी कई विषयों में दो यूनिट भी पूरी नहीं हो सकी हैं। अतिशेष और अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर अब तक विसंगति बनी हुई है। जिसे विभाग ने दूर नहीं किया है। जानकारी के मुताबिक विभाग पिछले साल की छात्र संख्या के मान के हिसाब से अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना कर रहा है। इस वजह से कई विषयों में छात्र कम हैं और संबंधित शिक्षकों को अतिशेष मान लिया गया है।

नगर परिषद द्वारा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन नाले में करने पर तनाव

हिन्दु संगठनों के आव्हान पर भानपुरा नगर बंद रहा, नप कर्मचारी निलंबित

भानपुरा, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद भानपुरा द्वारा शांति समिती कि बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार गणेश प्रतिमाओ का विसर्जन एक साथ नगर परिषद के तत्वावधान में करना था। उसी निर्णय के अनुसार मंगलवार 17 सितम्बर को प्रतिमाए बस स्टैंड पर लाई गई। प्रशासन व नगर परिषद की देख रेख में प्रतिमाओ के विसर्जन के जो स्थान तय किए गए, वहां नहीं करते हुए नगर परिषद के कर्मचारी व ट्रेक्टर चालक संजय पंचोली ने उन प्रतिमाओं को नगर के समीप रेवा नदी के एक गन्दे नाले में विसर्जित कर दिया।

बुधवार सुबह जब मुर्तियो को आमजन ने गंदें नाले में पड़ें देखा तो फोटो व वीडियो वायरल होने लगे नगर में इस घटना को लेकर तनाव बढ़ गया ओर हिन्दू संगठनों के आव्हान पर नगर बंद हो गया रेवा नदी किनारे भारी भीड़ जुट गई। लोग नारेबाजी करने लगे ओर नगर पालिका अधिकारी को व दोषी कर्मचारी पर कार्रवाई करने व नोकरी से हटाने कि मांग की गई। स्थिती को देखते हुए एस डी एम चंदरसिंह सोलंकी,एसडीओपी राजाराम धाकड़, थाना प्रभारी रोहित कछावा, तहसीलदार विनोद शर्मा घटना स्थल पहुंचे व हिन्दु

संगठनों के सदस्यों व पदाधिकारियों से बातचीत की।

महंत प्रकाशनाथ जी, सनातन धर्म मण्डल अध्यक्ष भुपेंद्र सोनी, पूर्व अध्यक्ष लालचंद रुद्रवाल, समरसता मंच के पवन उपाध्याय, नगर परिषद नेता प्रतिपक्ष श्रीनाथ उपाध्याय, डा आनंद जैन, जितेन्द्र पुरोहित, बन्टी गुर्जर, सनातन धर्म मण्डल युवा अध्यक्ष दिव्यांशु भाना, संतोष पाटीदार, अनिल राठोर, मण्डल भाजपा महामंत्री प्रवेश परिहार सहित अनेक सदस्यों ने प्रशासन व पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। लेकिन, आक्रोशित भीड़की यह मांग यह थी कि नगर पालिका अधिकारी सार्वजनिक रूप से माफी मांगे ओर प्रकरण दर्ज हो तथा कर्मचारी को नौकरी से हटाया जाए। नपा अधिकारी ने दोषी कर्मचारी संजय पंचोली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, घटना को लेकर हिन्दू संगठनों के कार्यक्रता लगातार नारेबाजी करते रहे। बस स्टैंड पर विजय स्तंभ के समीप शाम तक भीड़ रही ओर आखिर तक अपनी मांग पर अड़े रहे। उल्लेखनीय है कि जिस जगह प्रतिमाए डाली गई, वहां नगर का गन्दा नाला गिरता है। खुले में शोच जाने वाले उसी जगह पानी का उपयोग करते है। यह सीधे-सीधे धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ है। नगर पालिका अधिकारी व प्रशासन ने जब नियत स्थान तय किया था तो कर्मचारी ने गंदे नाले में मुर्तियां क्यों विसर्जित की। इतने संवेदनशील मुद्दे पर प्रशासन व नगर पालिका अधिकारी ने केवल आदेश दे दिया ओर यह देखने कि कोशिश क्यों नहीं कि कि प्रतिमाएं सही जगह विसर्जित कि गई या नहीं? प्रतिमाएं गलत व गन्दी जगह पर डालने के लिए कर्मचारी के साथ अधिकारी भी दोषी है।

खबर लिखे जाने तक बाजार थे बंद...

देर शाम खबर लिखे जाने तक भानपुरा नगर केबाजार बंद थे। आक्रोशित भीड़ इस बात पर अड़ी थी कि नप सीएमओ माहेम्मद अशफाक को निलंबित कर पुलिस प्रकरण दर्ज किया जाए। इस पर एसडीएम चंदरसिंह सौलंकी ने नपा सीएमओ के निलंबन के लिए प्रतिवेदन कलेक्टर को भेज दिया था।

दो लाख 16 हजार उपभोक्ताओं को 10 करोड़ रुपए की सब्सिडी

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित जिले के 2.16 लाख उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने 150 यूनिट तक बिजली का इस्तेमाल किया है। इससे उन्हें बिजली कंपनी की सस्ती बिजली योजना का लाभ मिला है और बिजली पर उन्हें 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की सब्सिडी मिली है।

दरअसल बिजली कंपनी ने गृह ज्योति योजना शुरू की है। इसमें 150 यूनिट की खपत तक एक रुपए यूनिट में बिजली दी जाती है। रोजाना 5 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ता योजना के दायरे में आते हैं। 30 दिन में 150 यूनिट की खपत होने पर उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलता है। 30 दिन में 150 यूनिट से ज्यादा खपत आने पर उस महीने के लिए उपभोक्ताओं की पात्रता समाप्त हो जाती है। वहीं अगले महीने फिर यदि खपत कम आती है तो फिर योजना के दायरे में आ जाते हैं। अगस्त के महीने में जिले के 2.16 लाख उपभोक्ताओं की बिजली की खपत 150 यूनिट तक रही। इससे योजना के दायरे में आए और सस्ती बिजली का लाभ मिला और कंपनी ने उन्हें सब्सिडी प्रदान की।

तीस लाख से ज्यादा उपभोक्ताओ को मिला लाभ...

बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार पिछले एक माह के दौरान मंदसौर सहित मालवा-निमाड़ में 30.14 लाख उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना से लाभान्वित किया गया है। लाभान्वित उपभोक्ताओं के बिल में 542 रुपए तक की अधिकतम सब्सिडी दी गई है। चूंकि योजना प्रदेश शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। इससे अफसरों से समय-समय पर इसका फीडबैक भी लिया जाता है। कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों के 30 लाख 14 हजार उपभोक्ताओं को 147 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की गई है।

कहां कितने उपभोक्ताओं को मिली सब्सिडी

जिला	संख्या
मंदसौर	2.16 लाख
रतलाम	2.23 लाख
नीमच	1 लाख
इंदौर	4 लाख
धार	3.20 लाख
उज्जैन	2.72 लाख
देवास	2.15 लाख

चीताखेड़ा बैंक में लूट और फायरिंग..!

दो महिला सहित तीन हुए घायल, 71 हजार रुपए लूटकर ले गए बदमाश

नीमच, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अंचल के चीताखेड़ा में स्थित मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक में लूट हो गई। बाईक पर आए दो नकाबपोश बदमाश बैंक में घुसे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से दो महिलाओं समेत तीन लोग गंभीर घायल हो गए। इसके बाद बदमाश 71 हजार रुपए लूटकर ले गए। वारदात दोपहर करीब 12.30 बजे की है। यह गांव नीमच से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित है। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

ग्राहक की तरह ही बैंक में आए थे बदमाश...

घायल महिला के पति और प्रत्यक्षदर्शी राम प्रहलाद ने बताया कि हम रुपए निकलवाने बैंक आए थे। यहां लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी दो बदमाश बैंक में ग्राहक की तरह आए। उन्होंने आते ही फायरिंग कर दी। इससे अफरा-तफरी मच गई। हम लोग डर गए और बाहर की तरफ भागे। दो महिलाओं को गोली लगी है। सफाईकर्मी पर बदमाशों ने सिर पर वार किया था। सभी को एम्बुलेंस से बड़े अस्पताल पहुंचाया गया। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, झूमा बाई (21) और मांगीबाई (30) को पैर में गोली लगी है।

पुलिस कप्तान बोले-राजस्थान की ओर भागे हैं आरोपी...

पुलिस कप्तान श्री अंकित जायसवाल ने बताया कि राजस्थान सीमा से सटे चीताखेड़ा चौकी क्षेत्र की घटना है। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक में वारदात हुई है। बाइक से आए दो अज्ञात बदमाश बैंक में घुसे और फायरिंग कर लूट की। वारदात को अंजाम देने के बाद राजस्थान की ओर भागे हैं। दो टीम आरोपियों के पीछे लगी है। रास्ते के कुछ फुटेज भी सामने आए हैं। फायरिंग में बैंक का चौकीदार और दो ग्राहक महिला घायल हुई हैं। कैश काउंटर से 71 हजार रुपए लेकर भागने की बात अभी सामने आई है।

कांग्रेस के पक्ष में जाता हरियाणा चुनाव भाजपा की कूटनीतिक चाल से पलट ना जाए..?

मंदसौर/उज्जैन, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव हरियाणा का जो वातावरण दिखा रहा है, उससे तो कांग्रेस की सरकार बनते नजर आ रही है। सतही दृश्य में भी वर्तमान प्रदेश सरकार वाली भाजपा भी स्वयं को बैकफुट पर दर्शा रही है। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा का जनमत तेजी से घटना जाहिर और साबित भी हो चुका है। खुद भाजपा ने भी खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर नायब सैनी को बनाकर जनमत घटने की स्वीकारोक्ति दी है। इन्हीं कारणों से सतही दृश्य अभी पूरी तरह से कांग्रेस के पक्ष में बना हुआ नजर आ रहा है। हो सकता है कि यह शाश्वत सच भी हो पर भाजपा संगठन ने अपनों पर ही जिस प्रतिकूलता का आचरण खुलकर किया है, उसे संगठन की निराशा या कूटनीतिक संशय जैसा दोहरा वातावरण नजर आ रहा है। इसमें संशय वाला हिस्सा कांग्रेस का मुगालता बढ़ाने के लिए जानकर परोसा जाना लग रहा है।

टीवी चैनलों से लेकर यूट्यूब पर जितनी भी खबरें और विशेषज्ञों की राय का बारीकी से परीक्षण करें, तब ही भाजपा की निराशा या कूटनीति खबरियो के लिए शोध का विषय बन गया है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन का स्पष्ट आव्हान है जाति जनगणना करने केलिए, ऐसा जब होगा तब होगा पर हरियाणा में भाजपा खुद को पीछे धकेल कर जातिगत मतों को येन केन प्रकारेण अपने पक्ष में करने की योजना बनाती नजर आ रही है। दुनिया के सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा हरियाणा के सिरसा विधानसभा क्षेत्र से अपने ही घोषित प्रत्याशी का नामांकन उठवा कर राजनीतिक जगत में क्या संदेश देना चाहती है! देश भर के राजनेता तब भौचक हो गए जब सिरसा से भाजपा ने अपने ही घोषित उम्मीदवार रोहतास जांगड़ा का नाम वापस लेकर हरियाणा लोकहित पार्टी के गोपाल कांडा के लिए मैदान छोड़ दिया। जो हाल ही में भाजपा सुप्रीमो से मुलाकात कर मंच साझा किए थे।

चन्द्रमोहन भगत

उल्लेखनीय है कि गोपाल कांडा हरियाणा में पूर्व चौटाला सरकार में गृहमंत्री रह चुके हैं। इसी तरह सैनी समाज के प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद राजकुमार सैनी को भाजपाईयों ने यह समझ कर मैदान से हटवाया कि आपके समाज का बंदा मुख्यमंत्री है और सरकार आई तो बनेगा भी। साथ ही भाजपा हाईकमान ने जातीय बहुमत धारक नेताओं को यह बोलने की छूट दे रखी है कि भाजपा की सरकार बनी तो वही मुख्यमंत्री बनेंगे। जैसे पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ऐलान कर चुके हैं कि वर्तमान हरियाणा के विधायकों में वरिष्ठ हैं, अत: मुख्यमंत्री के हकदार हैं। इसी तरह राव वीरेंद्र सिंह भी कांग्रेस से लेकर भाजपा तक सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे हैं। वे भी जातीय और वरीयता के आधार पर मुख्यमंत्री का दावा कर रहे हैं। गुर्जर मतों की संख्या के सहारे केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर भी स्वयं अपने समाज के जनमत की ओर से दावा कर रहे हैं।

इन सभी दावेदारों को भाजपा का ना प्रदेश, ना ही राष्ट्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री का दावा करने से रोक रहा है। इसके उलट परोक्ष इशारे इनके समर्थन में किए गए हैं। भाजपा शीर्ष संगठन का ऐसा करना दर्शाता है कि हरियाणा में अपनी खराब स्थिति पुख्ता हो जाने पर ही इस रणनीति पर चुनाव लड़ा जा रहा है। सभी क्षत्रप प्रत्याशी अपने जातीय मतों को प्रभावित कर भाजपा प्रत्याशियों को जीतवाएंगे। यह भी संगठन अपनी स्वीकारोक्ति जाहिर कर रहा है कि भले ही भाजपा की आलोचना करके जीते, पर विधायक बनकर सरकार भाजपा की बनवाएंगे। इसके ही उदाहरण है रोहतास जांगड़ा और राजकुमार सैनी के फॉर्म वापस उठवाना। हरियाणा की राजनीति को समझने वाले जानकारो का कहना है कि कांग्रेस, बीजेपी की गिरती जनसाख के कारण जीत के प्रति लगभग निश्चिंतता पाले हुए हैं। जबकि, भाजपा स्थानीय जातीय बहुमत को समेट कर जीतने की गहरी चाल चल चुकी है।

यह जानते हुए की भाजपा के नाम से बहुमत मिलना मुश्किल होगा, इसलिए जातीय मतों को समेटने के लिए जातीय प्रत्याशियों को भी अपनी ही पार्टी की आलोचना करने की खुली छूट दे दी है। इस भ्रमजाल में कांग्रेस उलझ भी रही है, जहां भाजपा अपने प्रत्याशी हटाकर समर्थकों को जीतने का अवसर दे चुकी है। वहीं कांग्रेस इस वहम में अच्छे प्रत्याशियों को हाशिए पर छोड़कर चाटुकारों को प्रत्याशी बना चुकी है। इनके संगठन महामंत्री के सी वेणुगोपाल, कुमारी शैलजा और प्रियंका गांधी के करीबी संदीप सिंह ने अपने करीबियों को प्रत्याशी बनवा दिया है। जिनका जीतना संशय भरा है। कुल मिलाकर हरियाणा चुनाव का वातावरण यह स्पष्ट कर रहा है कि इस बार भाजपा गहरी राजनीतिक चाल चल कांग्रेस को अपने स्लीपर सेल के सहारे मुगालते में उलझाए रखने में अभी तक सफल होती नजर आ रही है।

मंडी खुलने के इंतजार में

पांच दिन के अवकाश के बाद आज गुरुवार को कृषि उपज मंडी खुलेगी। इसके पहले ही बुधवार को बड़ी संख्या में किसान लहसून लेकर मंडी पहुंचने लगे।

विचार-मंथन

आतंकी घटनाओं में कमी : सरकार का दावा और हकीकत!

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को लेकर परस्पर विरोधी बातें सुनने को मिलती रही हैं। सरकार का दावा है कि अब वहां आतंकवाद खत्म होने को है। कुछ दिनों पहले गृह मंत्रालय ने दावा किया था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद काफी कम हो गया है, अब केवल कुछ इलाकों तक सिमट कर रह गया है। जल्दी ही उसे समाप्त कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने भी वही बात दोहराई है। उन्होंने डोडा से विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। हालांकि प्रधानमंत्री के दौरे से पहले ही वहां आतंकी हमला हुआ, जिसमें एक अधिकारी समेत दो सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। सेना के जवाबी हमले में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। घाटी में सक्रिय विपक्षी राजनीतिक दलों का आरोप है कि पिछले दस वर्षों में वहां आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। बहुत सारे निरपराध लोग मारे गए हैं, अनेक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। इससे पहले आतंकवादी घटनाएं इतनी नहीं होती थीं, केंद्र सरकार ने तब स्थानीय लोगों से बातचीत का सिलसिला शुरू किया था और आतंकी गतिविधियां काफी कम हो गई थीं। मगर सरकार इन बातों को सिरे से खारिज करती है। हालांकि दो वर्ष पहले गृह मंत्रालय ने भी माना था कि विशेष दर्जा खत्म होने और राज्य में कर्फ्यू के दौरान स्थानीय युवाओं की आतंकी समूहों में भर्ती बढ़ी है।पहले नोटबंदी के समय दावा किया गया था कि इससे आतंकी समूहों की कमर टूट जाएगी। उन्हें वित्तीय मदद मिलनी बंद हो जाएगी। फिर अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद कहा गया कि इससे दहशतगर्दी पर लगाम लग जाएगी। मगर हकीकत यह है कि करीब दो वर्ष तक सघन तलाशी और कड़ी पहरेदारी के बावजूद आतंकी घटनाओं पर कोई उल्लेखनीय अंकुश लगा नजर नहीं आया। फिर जैसे-जैसे वहां जनजीवन सामान्य बनाने के लिए कुछ ढिलाई दी जाने लगी, दहशतगर्दी एकदम से बढ़नी शुरू हो गई। आतंकवादियों ने अपने हमले के तरीके बदल लिए। कभी वे बाहरी लोगों और कश्मीरी पंडितों पर लक्षित हिंसा करने लगे, तो कभी सेना के काफिले पर घात लगा कर हमला।पिछले पांच वर्षों में थोड़े-थोड़े समय बाद सुरक्षाबलों पर घात लगा कर हमले बढ़े हैं। उन हमलों की समीक्षा से यह भी तथ्य सामने आया कि उनके पास बाहर से अत्याधुनिक हथियार पहुंचने लगे हैं, वे सुरक्षाबलों के सूचना तंत्र में सेंध लगाने के नए तरीके तलाश चुके हैं। ऐसे में यह सवाल बार-बार पूछा जाता रहा है कि आतंकी समूहों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों और बाहर से हथियार वगैरह मुहैया कराने वालों पर शिकंजा कसे जाने के बावजूद उन तक ये चीजें कैसे पहुंच जा रही हैं।केंद्र सरकार का शुरू से दावा रहा है कि वह घाटी में आतंकवाद समाप्त करके ही दम लेगी। इसके लिए निस्संदेह उसने सख्त कदम भी उठाए, सीमा पार से होने वाली घुसपैठ कम हो गई। मगर आतंकी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, तो इसके पीछे बड़ा कारण है कि दहशतगर्दों को स्थानीय लोगों का समर्थन मिल रहा है और वहां के युवाओं को हथियार उठाने से रोका नहीं जा पा रहा। घाटी में आतंकवाद नासूर बन चुका है, हर नागरिक वहां अमन चाहता है, आतंकवाद को किसी भी रूप में खत्म देखना चाहता है। मगर केवल सरकारी दावों में इसके खत्म होने की बात कहने से हकीकत नहीं छिपती, इसे जमीन पर भी दिखना चाहिए।

चीन पर कभी यकीन नहीं किया जा सकता...

अशोक मधुप

लगातार चार साल से चले आ रहे भारत चीन के बीच तनाव के कम होने के संकेत हैं। भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर हाल में घटनाक्रम बहुत तेजी से घटा है। चीन भारत सीमा से सेना का पीछे हटना बहुत अच्छा है किंतु चीन की बात पर आंख मूंदकर यकीन नहीं किया जा सकता। समझौते करने के बाद अपनी बात से मुकरना उसकी आदत रही है। धोखा देना चीन का चरित्र है। उस पर पूरी तरह से नजर रखनी होगी। उसकी चाल के अनुरूप हमें अपना व्यवहार और तैयारी करना होगी। भारत चीन सीमा विवाद के सुलझने के संकेत 12 सितम्बर को ही सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स एनएसए लेवल की समिट के साइडलाइन्स पर हुई उस बैठक के दौरान ही दिख गए थे जो एनएसए अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से बैठक के बाद जारी प्रेस नोट में इस बात का जिक्र था कि दोनों देशों ने बचे हुए क्षेत्रों में भी पूर्ण डिसएंगेजमेंट की दिशा में काम करने को लेकर सहमति जताई है। जानकार मानते हैं कि गतिरोध दूर करने करने की दिशा में ले जाने की प्रक्रिया एकाएक नहीं होती। इसके लिए बैकग्राउंड में काम होता रहता है । ओआरएफ में फेलो और चीन मामलों के जानकार कल्पित मणकिकर कहते हैं कि ऐसा एक लंबी प्रक्रिया के तहत होता है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और दोनों देशों के विदेश मंत्री लगातार मुलाकात करते आ रहे हैं। पिछले चार

सालों से बॉर्डर मुद्दों को सुलझाने को लेकर कोशिशें लगातार हो रही है। सेना के कमांडर स्तर पर बातें अलग से होती रही हैं। भारत और चीन दोनों की ओर से इस तरह की कोशिशें की जा रही थी। हालांकि अब जो दिख रहा है, उसके मद्देनजर इस तरह की कोशिशें क्या दिशा लेंगी, इसे लेकर अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में ही रहा जा सकता है। बॉर्डर पर आए गतिरोध के मद्देनजर विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बैठकें किए जाने का एक मैकेनिज्म तैयार किया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा मुद्दे पर 12 सितम्बर को कहा कि सैनिकों की वापसी से संबंधित मुद्दे लगभग 75 प्रतिशत तक सुलझ गए है लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ते सैन्यीकरण का है। जिनेवा में थिंकटैंक के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जून 2020 में गलवन घाटी में हुए टकराव ने भारत-चीन संबंधों को समग्र रूप से प्रभावित किया। जयशंकर ने कहा कि विवादित मुद्दों का समाधान ढूंढने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। हमने कुछ प्रगति की है। मोटे तौर पर सैनिकों की वापसी संबंधी करीब तीन-चौथाई मुद्दों का हल निकाल लिया गया है। लेकिन इससे भी बड़ा मुद्दा यह है कि हम दोनों ने अपनी सेनाओं को एक-दूसरे के करीब ला दिया है और इस लिहाज से सीमा का सैन्यीकरण हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिंदुओं पर गतिरोध बना हुआ है। भारत कहता रहा है कि सेना के पूर्व स्थान पर पहुंचे बिना सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर ने कहा कि 2020 में जो कुछ हुआ, वह कुछ कारणों से कई समझौतों का उल्लंघन था जो अभी भी हमारे लिए पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बहुत बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और स्वाभाविक रूप से जवाबी तौर पर हमने भी अपने सैनिकों को भेजा। 2020 की झड़प के बाद से दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा के रूप में भी जाना जाता है। भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे तक एक नई सड़क का निर्माण चीनी सैनिकों के साथ 2020 में होने वाली घातक झड़प के मुख्य कारणों में से एक माना जा रहा है । इस बार चीनी सेना के सीमा से पीछे हटने का कारण चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग काबयान भी है। उन्होने इस बात पर जोर दिया कि अशांत विश्व का सामना करते हुए, दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को स्वतंत्रता पर दृढ़ रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एकता और सहयोग का चयन करना चाहिए तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण के जरिए अपने मतभेदों को उचित ढंग से हल करेंगे और एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने का उचित तरीका ढूंढेंगे। चीन-भारत संबंधों को स्वस्थ, स्थिर और सतत विकास के रास्ते पर वापस लाएंगे। इतना सब हो रहा है पर जरूरी यह है कि दोनों का मई 2020 की यथास्थिति पर वापस लौटना ही समाधान है। निश्चित रूप से पीछे हटना समाधान नहीं है। यदि निश्चित रूप से समाधान के रास्ते पर चले तो भारत नुकसान में ही रहेगा। इन सब को देखकर भारत को चलना होगा। मई 2020 की स्थिति पर चीन सहमत होगा, ऐसा नही लगता। सीमा विवाद के चार साल के दौरान समाचार आए की चीन सीमा पर नए हवाई अड्डे-सैनिक छावनी उनके लिए बंकर बना रहा है। अपने सीमा से सटे क्षेत्र में गांव विकसित कर रहा है। भारतीय क्षेत्र के स्थानों क नाम बदल रहा है। हालांकि विवाद की अवधि में भारत ने भी सीमा पर सुरक्षा ढांचा विकसित किया है। नए एयरबेस तैयार कर रहा है। ठंडे स्थानों में रहने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साथ ही उनके लिए बर्फ के दौरान भी रहने के लिए सोलर से गर्म करने वाले उनके टैंट बना रहा है। इस प्रक्रिया को भारत का और तेज करना होगा। सीमा रेखा के सटाकर गांव विकसित करने होंगे तोकि चीन की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। एक तरह से चीन की प्रत्येक कारंवाई का उत्तर उसके कदम ही से आगे बढ़कर देना होगा। एक बात और चीन कभी का काबू में आ गया होगा, काश हम भारतीय सही अर्थ में देशभक्त होते। मई 2020 में चीन से विवाद होने पर भारतीयों की फेसबुक पर बड़ी देशभक्ति दिखाई दी। लगाकि अब भारत में चीन का बना सामान नही आएगा।

हमारे आंसू ही हैं जो हमारी संवेदना की पहचान हैं...

सुरेशचंद्र रोहरा

हंसने वाले को कोई अधिक समय तक हंसने से न रोके, रोने वाले को कोई अधिक समय तक रोने से न रोके। और कोई अधिक समय तक सोने वाले को न जगाए या जगाने वाले को कोई सोने को न बोले, तब की दुनिया कुछ और होगी। दरअसल, यह हंसना और रोना हमारी जिंदगी का फलसफा है। प्रकृति की ऐसी नियामत है, जिसके कारण ही मनुष्य मनुष्य होता है। यह रोना ही है, जो एक तरह से हमारे जीवन की बोहनी है यानी आगाज है। जब हम दुनिया में कदम रखते हैं तो रोते हुए आते हैं। फिर अगर हम रोते हैं तो परिजन खुश होते हैं और अगर नवजात शिशु का रुदन न सुनाई पड़े तो परिजन चिंतित हो जाते हैं और उसे किसी भी तरह रुलाया जाता है। समझने की बात यह है कि अगर हमारी आमद ही रोने से हुई है, तो जीवन में इसका स्थान कैसे बेशकीमती नहीं होगा! हम चाहें या न चाहें, रोना और आंसू हमारी नियति है, हमारी प्रकृति का अनिवार्य हिस्सा है। इससे हम चाहें जितना भी बचना चाहें, बच नहीं सकते और इसीलिए जो स्थितप्रज्ञ मनीषी होते हैं, वे इससे ऊपर उठ जाते हैं और जिंदगी का असल आनंद लेते हैं। इसी को दूसरे शब्दों में माया भी कहा गया है जो जीवन का परम सत्य है। इससे भला कौन बच सकता है! जहां तक बात है रोने की, तो इसमें मनुष्यता का सौंदर्य छिपा हुआ है। जब मनुष्य नैसर्गिक रूप से आंसू बहाता है तो उसे सुकून मिलता है। यह रोना ही है, जो मनुष्य को मनुष्य बना देता है और अन्य प्राणियों से थोड़ा अलग कर देता है। यह हमारे आंसू ही है जो हमारी संवेदना की पहचान हैं। हम जब कोई दर्द भरी कहानी पढ़ते हैं, मिसाल के तौर पर मोपासां का उपन्यास 'एक महिला की जिंदगी' में कुछ ऐसा अंकन देखते हैं, तो हमारे आंसू बहने लगते हैं। सच्चाई यह है कि जिंदगी में हमारे परिवार में आसपास दुख ही दुख है, अगर यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा। और उसमें हमें खुशियां ढूंढनी पड़ती हैं। जब हम खुश होते हैं तो चेहरे पर मुस्कान आ जाती है और जब ज्यादा मुस्कराते हैं, ज्यादा खुश होते हैं तो हम हंसने लगते हैं। इसका भी जिंदगी में अत्यंत महत्व है। शायद इसी वजह से कहा गया है कि दुख भरी जिंदगी की नदी में हंसना या हंसी कुछ ऐसे है, जैसे अंधेरे में सितारों का टिमटिमाना। इस तरह हमारी जिंदगी होने

और हंसने के बीच एक ऐसा पेंडुलम है, जहां रास्ता सकारात्मकता ढूंढता है। साफ-साफ कहा जाए, तो यह आंसू ही है जो हमारी जिंदगी का आगाज है और अंत भी। जब प्राणी देह त्याग करता है तो खुद भी पीड़ा में दुखी होता है और उसकी मृत्यु के बाद सारा परिवार और चाहने वाले आंसू बहाते हैं। बहुत कम ऐसे पहुंचे हुए सिद्ध पुरुष होते हैं, जो अपनी मौत को दुनिया के लिए एक पैगाम बना देते हैं, जिससे समाज और दुनिया एक संदेश ग्रहण करती है। सोचने की बात यह है कि यह प्रकृति का कैसा खेल है कि जब कोई नवजात शिशु जन्म लेता है तो वह रोते हुए दुनिया में आता है। जितना सहज आंसू बहाना, रोना है, उससे बहुत बहुत ज्यादा कठिन है हंसना। यही कारण है कि खुशी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, उसकी कोई तुलना नहीं है। मगर यह रोना या आंसू बहाना भी कोई हंसी खेल नहीं है। ईमानदार आंसू वही बहा सकता है जो सच्चे अर्थों में मनुष्य है, क्योंकि इसके पीछे है पाक-साफ हृदय का प्रति-स्थापित होना। आंखों में आंसू सहज रूप से उन्हीं के आते हैं, जो संवेदनशील होते हैं, जो पूर्ण रूप से मनुष्य होते हैं। इसलिए आंसुओं का जिंदगी में बहुत महत्व है और इसे सहेज कर रखने को कहा जाता है। अगर हम गीत, कविता की बात करें, कहानी की बात करें, तो विभिन्न कलाओं में आंसू और खुशियां समाहित हैं और इन्हें महसूस करके मनुष्य और ज्यादा मनुष्य बनता है। अगर हम यह कल्पना करें कि जिंदगी में आंसू न हो, रोना न हो या फिर हंसना न हो तो फिर जिंदगी कैसी होगी, इसकी कल्पना करने से ही समझ सकते हैं कि वह जिंदगी सिर्फ एक रोबोट सदृश बनकर रह जाएगी। बल्कि अब तो रोबोट को भी कृत्रिम संवेदनात्मक अभिव्यक्तियों से लैस बनाने की कोशिश की जा रही है। इसलिए हमें अपने आंसू छिपाने की आवश्यकता नहीं है।

कहीं आपके बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा वक्त तो नहीं बिता रहे

पिछले दिनों स्वीडन के समाज कल्याण व जन-स्वास्थ्य से जुड़े मंत्री ने कहा कि दो वर्ष तक के बच्चों को किसी भी तरह के डिजिटल उपकरण का उपयोग नहीं करने देना चाहिए, क्योंकि माता-पिता, बाल-रोग विशेषज्ञ और सरकार इस तकनीकी माहौल से कैसे निपटा जाए, इसकी कोशिशो में जुटे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि हमें चीजों को फिर से अपने नियंत्रण में लेना होगा। बचपन को नए सिरे से परिभाषित करना होगा और बच्चों को उनका बचपन वापस लौटाना होगा। उनकी मासूमियत बचाने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का सही विकास हो, यह भी आवश्यक है। स्वीडन ने 'स्क्रीन टाइम' के बारे में जो अपनी रिपोर्ट जारी की है, उसकी प्रमुख बातें हैं- दो साल तक के बच्चों को स्क्रीन से बिल्कुल दूर रखा जाए। दो से पांच साल तक के बच्चे एक घंटे, छह से बारह साल के बच्चे दो घंटे और किशोर तीन घंटे से ज्यादा वक्त स्क्रीन पर न बिताएं। सोते वक्त या शयन कक्ष में मोबाइल या किसी किस्म की स्क्रीन का प्रयोग बिल्कुल वर्जित किया जाए। जाहिर है, माता-पिता और अभिभावकों को खास ध्यान देना होगा कि उनके बच्चे कम से कम समय किसी स्क्रीन पर बिताएं। इसके लिए वे अपने बच्चों से ज्यादा बातचीत करें, उन्हें अधिक समय दें। यही नहीं, उनका बच्चा कितना समय स्क्रीन पर बिता रहा है, इस पर नजर जरूर रखें। अमेरिका और आयरलैंड के बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक बच्चा डेढ़ साल का न हो जाए, तब तक उसे मोबाइल या किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रखा जाना चाहिए। फ्रांस में तो इससे भी आगे की बात कही गई कि तीन साल से पहले बच्चों के हाथों में मोबाइल नहीं थमाना चाहिए और किसी भी तरह की स्क्रीन से उन्हें दूर रखना चाहिए। इसमें टेलीविजन स्क्रीन भी शामिल है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि जो बच्चे अभी बोलना, चलना सीख रहे हैं, उनका किसी भी तरह की स्क्रीन पर समय बिताना उन्हें कुछ नही सिखाता। एक सर्वे में यह भी पाया गया था कि जो बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं, वे देर से बोलना सीखते हैं। भारत में भी कोई अच्छी स्थिति नहीं है। यहां भी बच्चे समझते हैं कि लोगों से दूरी और फोन से नजदीकी बहुत अच्छी बात है। विशेषज्ञ लगातार कह रहे हैं कि बच्चों को तकनीक से दोस्ती के मुकाबले इंसान से दोस्ती सिखानी चाहिए। पिछले दिनों डेढ़ लाख लोगों पर किए गए एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य कमजोर होता जा रहा है। हमारे बच्चों और युवाओं में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, यह भी देखने में आया है कि बच्चे और किशोर स्क्रीन टाइम के दौरान कुछ न कुछ खाते रहते हैं। अक्सर ये अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड, जिसको जंक फूड कहा जा सकता है, ही खाते है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थापित कर चुके हैं कि इनका अधिक उपयोग सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। जाहिर है, इससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ते हैं, क्योंकि दोनों का आपस में गहरा संबंध है। स्क्रीन टाइम में बढ़ोतरी के कारण बच्चे अब परिवार वालों से कम बातचीत करते हैं, दोस्तों से मिलते-जुलते नहीं, उनके बीच आपसी संवाद लगातार कम होता जा रहा है। वे बाहर खेलना भी पसंद नहीं करते। इससे सामाजीकरण की प्रक्रिया से वे लगातार बाहर होते जा रहे हैं और अलग-थलग पड़ रहे हैं। यह अकेलापन उनके विकास और भविष्य के लिहाज से बेहद घातक है। इस स्थिति के लिए सिर्फ तकनीक या बच्चों-किशोरों को दोष देना ठीक नहीं है। सच तो यह है कि बहुत हद तक माता-पिता इसके लिए जिम्मेदार हैं। वे अक्सर बच्चों की जिज्ञासा से बचने के लिए उनके हाथ में बचपन से ही मोबाइल पकड़ा देते हैं। कई बार जब कोई रिश्तेदार घर पर आता है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5361

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5360

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5361

संकेत: बाएं से दाएं

1. निर्धनों की निरपेक्ष संख्या के मामले में भारत के इस प्रदेश का स्थान सबसे ऊपर है (6)
6. गायिका-अभिनेत्री, सुलक्षणा पंडित के दो भाइयों में से एक जो गायक-संगीतकार है (3)
7. सर्वदा, हमेशा, लगातार, प्रतिध्वनि (2)
8. यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (2)
11. पराग के कण, धूल, गर्द (2)
12. गाय के दूध को यह भी कहते है (3)
14. मुर्गे की जाति का एक पक्षी (3)
16. केसरी नंदन, हनुमान (5)
19. अंदाज, कयास, अनुमान (4)
20. राजा का मुकुट, शिखा (2)
21. अभिमान मर्दित होना (6)

ऊपर से नीचे

1. ये भाजपा महिला नेत्री मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी है (5)
2. चांदी, उजला, उज्जवल, कनक (3)
3. दर में, दिशा में, भाव से (2)
4. देने वाला, देवी, कर्जदार (4)
5. दक्षिण भारत की एक प्रमुख नदी जिसे दक्षिण की गंगा भी कहते है (4)
7. सिलवट, सिकुड़न, शिकन, तह (2)
9. वह पर्दा जिस पर चल-चित्र बताए जाते है सिनेमा का पर्दा (5)
13. सभी स्थान पर, सभी जगह पर (3)
15. दौड़ना, लपकना, उमंगना, उछलना (4)
17. शरीर की सबसे बड़ी हड्डी फीमर को यह भी कहते है (3)
18. अलंकृत होना, संवरना, प्रेमी, बालम (3)
19. एक सूर्यवंशी राजा जो दशरथ के पिता थे (2)
20. एक लंबा पेड़ जो केवल सिरे पर पत्ते धारण करता है, तलराज, दीर्घस्कंध (2)

वर्ग पहेली 5360 का हल

ठ	थ	म	सि	ह		द	म
ल	न	ना		स	ह	म	ल
क		ध	जी	र		न	
	आ	न		ता	री	का	
मा	ल		री	ज		री	ति
ल	म	क		य	श		थि
	आ	ध		पु	न	ती	
ता	ना		गी	री		मा	ज

श्रीमद् भागवद् महापुराण के उपदेशों को अपने जीवन में उतारें, तभी यह श्रवण करना सार्थक होगा-स्वामी सरस्वती

श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास का हुआ समापन

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास पूज्यपाद 1008 स्वामी आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ऋषिकेश के सानिध्य में चल रहा था जिसका समापन 18 सितम्बर 2024 बुधवार पूर्णिमा के दिन हुआ। दो माह से सत्संग भवन में पूज्य स्वामी का चातुर्मास चल रहा था जिसके अंतर्गत प्रतिदिन प्रवचन हो रहे थे। समापन अवसर पर भावुक होते हुए धर्मसभा में स्वामी श्री आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ने आपने दो माह तक श्रीमद् भागवद् महापुराण कथा का श्रवण किया अब आपकों इससे प्राप्त उपदेशों को अपने जीवन उतारना होगा और आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना होगा। आपने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और उद्धव के बीच का वृतांत हमारे लिए बहुत उपयोगी है उद्धव ने भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों को श्रवण का अपने जीवन का उद्धार कर भागवत कृपा प्राप्त की हमें भी यही करना है। आपने कहा कि हमें यह मनुष्य जीवन भागवत कृपा प्राप्त करने के लिए हि मिला ताकि हम भक्ति कर भागवत कृपा प्राप्त कर मुक्त हो सके। आपने कहा कि सत्संग का असर आपके आचरण में दिखना चाहिए वहीं सत्संग सफल माना जायेंगा।

इस अवसर पर केशव सत्संग भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया ने कहा कि बडे नसीबों से ऐसे सरल सहज संत का सानिध्य प्राप्त होता है। हमें दो माह तक पूज्य स्वामी जी ने बडे ही सरल तरीके से समझ आ ऐसे उदाहरण देकर श्रीमद् भागवद् महापुराण का श्रवण करवाया उसके लिए बहुत धन्यवाद आपका सानिध्य हमें आगे भी मिलता रहे ऐसी कामना। दो माह में मेरे द्वारा या किसी भी ट्रस्टी द्वारा कोई ऐसी बात की गई हो जिससे आपको बुरा लगा हो या आपकों ठेस पहुंची हो तो सम्पूर्ण केशव सत्संग भवन की ओर से आपसे क्षमा मांगता हूं। ट्रस्ट सचिव कारूलाल सोनी ने अंत में सबका आभार माना और कहा कि हमें आप जैसे संतों का मार्गदर्शन आगे भी मिलता रहें ऐसे कामना करते है। आपने बहुत ही अच्छे तरीके से दो माह तक श्रीमद् भागवद् महापुराण के एकादश स्कंद श्रवण करवाया निश्चित रूप से यह हम सभी के जीवन में नई रोशनी लाने का कार्य करेंगा। कार्यक्रम के अंत में भगवान की आरती उतारी गई एवं प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, प्रहलाद काबरा, आर सी पंवार, मदनलाल गेहलोत, जगदीश गर्ग, पं शिवनारायण शर्मा, मदन देवडा, घनश्याम भावसार, राधेश्याम गर्ग, भगवतीलाल पिलौदिया, डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता, राजेश देवडा, प्रवीण देवडा, नीलमचंद भावसार, संतोष जोसी सहित बडी संख्या में महिलाएं पुरूष उपस्थित थे।

जिला स्तरीय पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मीडिया प्रभारी सुरेश भाटी ने बताया कि मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन मंदसौर के तत्वाधान में जिला पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट एसोसिएशन मंदसौर के द्वारा 15 सितंबर को मंदसौर के उत्कर्ष विद्यालय हॉल में जिला स्तरीय पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनिल कियावत, कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार एवं रेडक्रॉस समिति के डायरेक्टर हेमंत शर्मा, विशेष अतिथि पत्रकार महावीर अग्रवाल, पत्रकार जितेंद्र देवडा, पत्रकार लक्ष्मण जटिया एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कोठारी मंचासीन थे। स्वागत उद्बोधन देते हुए जिला पेंचिक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष विजय कोठारी ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं बाहर से कोच एवं खिलाड़ियों का स्वागत अभिनंदन किया एवं 18 से 20 अक्टूबर को मंदसौर के मनमोहन वाटिका कौशल्या रिसोर्ट में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की रूपरेखा बताई। आपने कहा कि यह खेल गवर्नमेंट मिनिस्ट्री एवं खेल और कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त खेल है इसमें राज्य स्तरीय में विजय खिलाड़ियों को स्कॉलरशिप का प्रावधान रहता है एवं स्पोर्ट कोटा से नौकरी लगती है। अतिथियों ने कहा की इतनी बडी संख्या में मंदसौर जिले से खिलाडी प्रतियोगिता में भाग लेने आए हैं इससे यह पता चलता है कि संस्था खेल के प्रति कितनी जागरुक है। सभी अतिथियों ने संस्था बधाई दी एवं संस्था को सहयोग करने का आश्वासन दिया। एवं प्रतियोगिता में रहे निर्णायक रेफरी सैयद आफताब आलम असलम खान, धवल कुमावत, सोनू मेघवाल, आदित्य चनाल, तुलसी बैरागी, सोनू मेघवाल, कृष्णा गढिया, यश हीवे, धवल कुमावत, नेहा रनोदिया ,असमा बी दीक्षा सेन को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। मध्य प्रदेश पैचिक सिलाट के अध्यक्ष अबरार अहमद सचिव अभय श्रीवास ने भाग ले रहे खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष विजय कोठारी, टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम, असलम खान सुनील हीवेग्वाला, अशोकगहलोत, दिनेश चंदवानी, दुर्गेश बेलानी, एडवोकेट दीनदयाल भावसार, हितेश सालवी, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, निशांत जोशी, शाहिद हुसैन, यशवंत सिंह राठौर ,श्रीमती धर्मेंद्र कुमारी बघेरवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव गगन कुरील ने किया आभार टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम ने माना।

वेस्ट जोन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में दानिया ने जीते दो कांस्य पदक

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। वेस्ट जोन नेशनल प्रतियोगिता में मंदसौर सेंट थॉमस विद्यालय की छात्रा दानिया बनेटीया ने दो कांस्य पदक पर कब्जा किया यह प्रतियोगिता सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित कराई गई थी जिसमें मध्य प्रदेश के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दादर नगर हवेली, दमन ड्यू राज्य के 3000 से ज्यादा खिलाडियों ने सहभागिता की इस प्रतियोगिता में दानिया के अलावा मंदसौर जिले के 6 विद्यालय के 45 स्केटिंग खिलाडियों ने सहभागिता की इन विद्यालय में मुख्य रूप से लोटस वैली, सेंट थॉमस विद्यालय, वात्सल्य पब्लिक स्कूल, एडीफाई स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई, साई पब्लिक स्कूल दलौदा, के खिलाडियों ने जिला स्केटिंग संघ के सहयोग से सहभागिता की इन खिलाड़ियों में बालक वर्ग में निशीत श्रीवास्तव, युग श्रीवास्तव, शौर्य वीर सिंह चौहान, देवल पोरवाल, दक्ष सेन, आरोन घोरपडे, केरव जैन, मोहित सिंह, कार्तिकेय चौरडिया, दर्श भंडारी, नव्यम मारू, वेदांत होतवानी, राजवीर दोशी, यशित जैन, सौम्य पारिख, कनिष्कराज सिंह चंद्रावत, मनीत कटारिया, संस्कार पाटीदार, युदित एरोन वहीं बालिका वर्ग में दानिया बनेठीया, दृष्टिशर्मा, दही शर्मा, खुशी राया, नीतिका पारीक, गुरप्रीत कौर, काव्या सिंह चंद्रावत, व कनिका मंगल आदि मुख्य खिलाडी रहे इनमें से अधिकांश खिलाडी बेस्ट 8 तक प्रतियोगिता में बने रहे किंतु उन्हें पांचवें छठे स्थान से संतुष्ट रहना पडा यह प्रतियोगिता बालक बालिका वर्ग में 9 वर्ष से कम, 11 वर्ष से कम, 14 वर्षों से कम, 17 वर्ष से कम, 19 वर्ष से कम आयु वर्ग में इनलाइन क्वार्ट्ज कैटेगरी में आयोजित हुई पूरी प्रतियोगिता के दौरान खिलाडियों के साथ प्रशिक्षक के रूप में सचिन काले, जलज सिसोदिया, दिव्यांशु परमार उपस्थित रहे व खिलाडियों को प्रतियोगिता हेतु सहयोग प्रदान करते रहे दानिया बनेतिया ने 1000 मी क्वार्टर्ज रेस व 1श्ररल रोड रेस प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया मंदसौर जिले के लिए यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। धनिया इससे पूर्व भी उदयपुर में आयोजित बेस्ड जोन में ब्रोंज मेडल जीत चुकी है खिलाडियों की उपलब्धि पर जिला स्केटिंग संघ संरक्षक पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, अध्यक्ष कपिल भंडारी, उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, अनिल जैन, स्वप्निल घोरपडे, जितेंद्र कनौजिया, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा लीड कॉलेज खेल अधिकारी राजु कुमार सभी संस्थाओं के प्राचार्य व खेल प्रशिक्षक दिनेश यादव, रिंकू शुक्ला, देवेंद्र बैरागी, अंकुर त्रिपाठी, गरिमा नागदा, अभिषेक सेठिया, आदि ने बधाई दी वह उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

प्रसिद्ध गीतकार हसरत जयपुरी को दी स्वरांजलि

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर रंगमंच मंदसौर द्वारा प्रसिद्ध गीतकार हसरत जयपुरी की पुण्यतिथि उनके लिखे गीतों को गाकर मनाने हुए उन्हें स्वरांजलि दी। सतीश सोनी ने गीत गाया तुम मुझे यूँ भूला न पाओगे। आबिद भाई ने गीत बहारों फूल बरसाओ मेरा महबूब आया की प्रस्तुति दी। स्वाति रिछावरा ने गीत गर तुम भुला न दोगे सपने ये सच ही होंगे सुनाया। ललिता मेहता ने वर्तमान परिपेक्ष्य में हसरत जयपुरी द्वारा लिखा गीत दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई, काहे को दुनिया बनाई सुनाकर दाद बटोरी। श्याम गुप्ता ने तेरी प्यारी-प्यारी सूरत को किसी की नजर न लगे सुनाया। अभय मेहता ने गीत जाने कहाँ गये वो दिन को सुनाया। हिमांशु वर्मा ने गीत आजा सनम मधुर चांदनी में हम तुम मिले तो वीराने में भी आ जाएगी बहार को बखूबी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मनीष रिछावरा व काजल वर्मा ने भी गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए दशपुर रंगमंच के संस्थापक अभय मेहता ने बताया कि हसरत जयपुरी सा. बस कंडक्टर थे। राज कपूर ने उनकी प्रतिभा को पहचान कर अपनी फिल्म बरसात में गीत लिखने का अवसर दिया। उनके लिखे गये गीत सदाबहार होकर प्रसिद्धी लिये हुए है। आभार ललिता मेहता ने माना।

मप्र राज्य जैव विविधता क्विज प्रतियोगिता तीन अक्टूबर को होगी

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला वनमण्डलाधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 3 अक्टूबर 2024 को होगी। जिसमे जिला स्तरीय कार्यक्रम हेतु वनमण्डल कार्यालय, महू-नीमच रोड, मंदसौर में विद्यालय टीम कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थी हेतु का पंजीयन दिनांक 20 सितम्बर 2024 तक किया जावेगा।जिला स्तरीय क्विज कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में ऑफलाईन किया जावेगा। जिला स्तर पर न्यूनतम 100 टीमों के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है।

दीन दयाल स्पर्श छात्रवृति योजना अंतर्गत कल तक करें आवेदन

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अधीक्षक डाकघर मंदसौर द्वारा बताया गया कि भारतीय डाक विभाग फिलैटली छात्रवृति योजना दीन दयाल स्पर्श योजना वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत कक्षा 06 से 09 तक के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृति प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए है। कक्षा 6 से कक्षा 9 तक प्रत्येक कक्षा में चयनित 10-10 विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की जाएगी। छात्रवृति की राशि रुपए 6 हजार रूपये एक वर्ष के लिए होगी। छात्रवृत्ति योजना में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र नजदीकी डाकघर या अधीक्षक डाकघर मंदसौर के कार्यालय के पते पर रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र 20 सितंबर 2024 तक कर सकते है।

पत्रकार बीमा योजना में बढ़े हुए प्रीमियम का भार राज्य सरकार उठाएगी-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारों के हित में 'संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा' योजना में बीमा कंपनी द्वारा बढायी गयी प्रीमियम राशि का भार राज्य सरकार द्वारा वहन करने का निर्णय लिया है। साथ ही बीमा के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख भी 20 सितम्बर से बढाकर 25 सितम्बर कर दी गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ, पत्रकार साथी दिन-रात एक करके विषम परिस्थितियों में देश और समाज की सेवा करते हैं। विभिन्न पत्रकार संगठनों द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम में वृद्धि की गई है। अत: हमने निर्णय लिया है कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी। योजना में शामिल होने वाले पत्रकारों से गत वर्षों की तरह ही प्रीमियम लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों बंधुओं के साथ हर कदम पर खडी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही। बीमा योजना की पूरी जानकारी एवं संशोधित प्रीमियम चार्ट जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट https://www.mpinfo.org/ पर उपलब्ध है।

मातृभाषा को देना होगा मान...

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मातृभाषा किसी व्यक्ति, समाज, संस्कृति या देश की पहचान होती है। भाषा के भीतर भावनाएं, विचार और सदियो की जीवन पद्धति समाहित होती है। मातृभाषा ही परम्पराओ और संस्कृति से जोडे रखने का सेतू है। विश्व के अनेक देश अपनी भाषा मे शिक्षा देने को राष्ट्रीय गोरव मानते है। अपनी भाषा का महत्व वे समझते है इसलिए उनकी अधिकारिक भाषा उनकी मातृभाषा ही है। जापान और चीन जैसे देश अपनी भाषा मे शिक्षा देकर तकनीक के क्षेत्र में विश्व के सिरमौर बने हुवे है। हम स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भी मानसिक दासता से मुक्ति नही पा सके है। विश्व को ज्ञान-विज्ञान, गणित, योग, आध्यात्म देकर विश्व गुरु कहलाने वाले भारत के नागरिक अपनी भाषा को समाप्त करने में लगे है। हमारा देश अंग्रेजी और अंग्रेजियत के कब्जे में है और हमारी मातृभाषा हिंदी हमारे ही देश मे पराई है। ऐसा नही है कि जो लोग मातृभाषा और हिंदी का समर्थन करते है वे अंग्रेजी के विरोधी है बल्कि वे अपनी मातृभाषा को मान देने वाले लोग है और उसे उप्पर उठते हुवे देखना चाहते है। व्यक्ति को अंग्रेजी सहित अन्य विदेशी भाषाओ को पढना और सीखना चाहिए परंतु अपनी मातृभाषा को नही भूलना चाहिए। वर्तमान में शिक्षा प्रणाली में बढते अंग्रेजी के दबाव के कारण हमारी मातृभाषा दिन-प्रतिदिन संकुचित होती जा रही है। हिंदी सहित अन्य भारतीय भाषाओ का हाल खराब है और इसका सबसे बडा कारण हे क्षुद्र राजनीति। विडंबना हे की हमारे देश के अधिकांश हिंदी विरोधियो को विदेशी भाषा अंग्रेजी तो स्वीकार हे किंतु अपने ही देश की अपनी ही भाषा उन्हे रास नही आती।किसी भी देश पर अपना सम्पूर्ण अधिकार करने के लिए केवल युद्ध ही सहारा नही होते बल्कि उसकी संस्कृति और भाषा पर यदि अधिकार कर लिया जाए तो सभ्यताएं मिट जाती हे एवम उस देश का स्वत: ही पराभव हो जाता हे। माडर्न शिक्षा पद्धति के जनक लार्ड मैकाले इस बात को भली भांति जानते थे इसलिए उन्होने षड्यंत्र पूर्वक अंग्रेजी भाषा को न केवल थोपा बल्कि अंग्रेजियत को लोगो के मन मस्तिष्क में इस कदर बैठाने की कुचेष्ठ भी की गई की हम मानसिक रूप से गुलाम होते चले गए। मैकाले ऐसी शिक्षा चाहते थे जिसमे यह अपेक्षा की गई की रंग और नस्ल से तो हम भारतीय हो मगर विचारो एवम नैतिकता से अंग्रेज हो और इस कार्य में वह पूरी तरह से सफल भी रहे। दुर्भाग्यवश वर्तमान स्थिति इतनी संवेदनशील हो गई हे की राष्ट्रभाषा के प्रश्न को गैर राजनीतिक तरीके से सोचना ही संभव प्रतीत नही होता। अंग्रेजो की फूट डालो और राज करो की दूषित मानसिकता ने हिंदी के नाम पर भारतीय समाज को बांटने का राजनीतिक षड्यंत्र किया इस षड्यंत्र को भारतीय समाज को समझना होगा। केंद्र सरकार को चाहिए कि भारतीय भाषाओ को बढावा दे और केवल बढावा ही नही देश मे शत-प्रतिशत हिंदी का प्रयोग राजकाज में हो ऐसा नियम व कानून भी बनाए। इसको लागू करने में समस्या तो आएगी पर यह असंभव भी नही है। हिंदी दिवस वर्तमान स्थिति का अवलोकन कर उसकी प्रगति पर चिंतन-मनन करने का संकल्प दिवस भी बने तभी हमारा हिंदी दिवस मंनाना सार्थक होगा।

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

श्रद्धा ही है श्राद्ध

पितरों का आभार
सनातन की संस्कृति
पितरों को पानी
संतति के हाथ से
मुक्ति में आसानी।
गंगा, फल्गु, मंदाकिनी
सोरों पुष्कर का मर्म
जल प्रवाह में होते
पिंडदान श्राद्धकर्म।
दीर्घायु हो संतति
खुले स्वर्ग के द्वार
श्रद्धा ही है श्राद्ध
पितरों का आभार।

नन्दकिशोर राठौर, मंदसौर

अनंत चतुर्दशी पर किया अन्नकूट का वितरण

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 17 सितम्बर को अनंत चतुर्दशी के पावन पर्व पर निकलें चल समारोह में श्री गुन्देश्वर महादेव व्यायामशाला राम मोहल्ला, जनकुपूरा, अंकित माहेश्वरी एवं गौरव शर्मा मित्र मंडल द्वारा अन्नकूट महोत्सव मनाकर अन्नकूट का वितरण किया गया। आयोजकों द्वारा लगातार तीसरे वर्ष यह आयोजन किया गया है। बडी संख्या में श्रद्धालुओं अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। आयोजन रात्रि 8.30 बजे प्रारंभ हुआ जो अल सुबह 4 बजे तक चलता रहा।

इस अवसर पर विशेष रूप से तीन छत्री बालाजी मंदिर के संत श्री रामकिशोरदास जी मसा, किन्नर गुरू अनिता दीदी, पं विष्णु शर्मा, मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक विपिन जैन, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, मदनलाल राठौर, भाजपा नेता गौरव अग्रवाल, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, केन्द्रीय गणेशोत्सव समिति अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत, विहिप जिलाध्यक्ष डॉ प्रवीण मंडलोई, विनय दूबेला, अनिल कियावत, वरिष्ठ पत्रकार आलोक शर्मा, युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष महावीर जैन, संपादक प्रकाश सिसौदिया, कपिल भंडारी, पुलकित पटवा, भानुप्रताप सिसौदिया, दिलीप गर्ग, हेमंत बुलचंदानी, अनूप माहेश्वरी, गोपाल मंडोवरा, उमेश पारिख, बंटी चौहान, बंशी राठौर, अंबालाल चौहान, विनोद जाट, प्रदीप चौधरी आदि उपस्थित थे जिनका स्वागत श्री गुन्देश्वर महादेव व्यायामशाला और अंकित माहेश्वरी एवं गौरव शर्मा मित्र मंडल ने किया। इस अवसर पर आयोजक अंकित माहेश्वरी ने बताया कि अनंत चतुर्दशी पर आयोजन का यह तीसरा वर्ष है। पूर्व में रूद्राक्ष वितरण भी इस अवसर पर किये जा चुके है। इस वर्ष अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया गया जिसमें बडी संख्या श्रद्धालु सम्मिलित हुए। आयोजन में समिति की ओर से सेवा देने वालों में प्रमुख रूप से मोदीजी पानवाले, श्याम पाण्डे, जितेन्द्र चौधरी, दिलीप लक्षकार, शुभम लक्षकार, गोलू डगवार, लाला मकवाना, संदीप लक्षकार, लोकेन्द्र सिंह राठौर, अनिल शिंदे, मितेश भावासार, निर्मल राठौर, योगेश भट, मोनु मुंदडा, गोपाल पांडे, टीटू सोनी मातृशक्ति गीतादेवी लक्षकार, रिंकू शुक्ला, पुष्पलता अंकित माहेश्वरी, हेमलता लक्षकर, नीलू श्याम पाण्डे, आस्था भावसार, आदि थे जिन्होने पूरी रात सराहनीय सेवा दी और भक्तों को पूरे जोश के साथ सुबह तक प्रसाद वितरण करते रहें। कार्यक्रम का संचालन मनीष भावसार ने किया अंत में आभार अंकित माहेश्वरी ने माना।

दिनांक 19 सितम्बर 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
लग्न पर मंगल का पूर्ण प्रभाव..

*किसी जातक की जन्म कुंडली में यदि लग्न पर मंगल ग्रह का पूर्ण प्रभाव हो तो वह जातक धैर्य एवं क्रोध को ज्यादा देर तक अपने अंदर छुपा कर नहीं रख सकता है, अगर कुछ समय के लिए कोशिश भी कर ले तो भी क्रोध जागृत होने के बाद वह पूर्ण प्रतिकार करेगा और अपने क्रोध के शिकार व्यक्ति की बिल्कुल चिंता न किए बिना उसके उप्पर अपना सारा जहर उगल देता हैं।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

अवकाश सूचना

दैनिक गुरु एक्सप्रेस का दिनांक 18 सितम्बर, बुधवार का अंक अनंत चतुर्दशी पर्व होने की वजह से प्रकाशित नहीं हो सका। इसका हमे खेद है।

सम्पादक

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र.)

क्रमांक -229/नामांतरण/2024

नामातंरण विज्ञप्ति

मन्दसौर दिनांक 13.09.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	1376x7/2024	सनसिटी	21	प्लांट नं.7 का भाग	किशनचंद पिता जेठानंद चंदवानी	शैलेन्द्र पिता भगतसिंह परिहार	मो. हनीफ पिता शहादत हुसैन	विक्रय पत्र
2	1377x7/2024	पशुपतिनाथ विहार	4	मकान नं. 24	विजयकुमार पिता स्व. प्रहलाद सोमानी	विजयकुमार पिता स्व. प्रहलाद सोमानी	अर्थव पिता मनसुखलाल सोमानी सरपरस्त मनसुखलाल पिता स्व. प्रहलाद सोमानी	दान लेख
3	1378x7/2024	सिद्धी विनायक	39	प्लांट नं.जी-55	हस्तीमल पिता जसकरण जैन एवं आदि	हस्तीमल पिता जसकरण जैन एवं आदि	भंवरकुंवर पति लोकेन्द्रसिंह चुंडावत	विक्रय पत्र
4	1379x7/2024	कीर्ति विहार	5	प्लांट नं.169	विनोद पिता प्रहलाद पाटीदार	विनोद पिता प्रहलाद पाटीदार	रामेश्वर पिता नंदलाल बोराना	विक्रय पत्र
5	1380x7/2024	सरस्वती नगर	3	प्लांट नं.19	सलोनी पिता ओमप्रकाश रत्नावत	सलोनी पिता ओमप्रकाश रत्नावत	तनीष पिता जीवन डूंगरवाल	विक्रय पत्र
6	1381x7/2024	कीर्ति विहार	5	प्लांट नं.156	भंवरलाल पिता बापूलाल रिछावरा व आदि	भंवरलाल पिता बापूलाल रिछावरा	रामेश्वर पिता नंदलाल बोराना	विक्रय पत्र
7	1382x7/2024	नारायण नगर सिल्वर	33	प्लांट नं. 222	दीपककुमार पिता जड़ावचंद भूता एवं आदि	शालीमार गोल्ड द्वारा भागीदार दीपककुमार पिता जड़ावचंद भूता व आदि	मो. अखलाक पिता अब्दुल शकूर	विक्रय पत्र
8	1383x7/2024	रामनगर	6	प्लांटनं. 18 का भाग 19 का भाग 20 का भाग	दिव्य प्रकाश उर्फ दिव्य प्रसाद पिता विनोद पुरोहित एवं आदि	दिव्य प्रकाश उर्फ दिव्य प्रसाद पिता विनोद पुरोहित द्वारा मु.आ. विनोद पिता उदयसिंह पुरोहित व आदि	हुसैनी जहाजी पिता फखरुद्दीन जहाजी	विक्रय पत्र
9	1384x7/2024	बरगुण्डा गली	17	म.नं. 96 का भाग	सुगनाबेन सगुनीबेन पति स्व. रामलाल वर्मा व आदि	सुगनाबेन सगुनीबेन पति स्व. रामलाल वर्मा व आदि	कारुलाल पिता भागीरथ वर्मा	बंटवारा लेख
10	1385x7/2024	बरगुण्डा गली	17	म.नं. 96 का भाग	सुगनाबेन सगुनीबेन पति स्व. रामलाल वर्मा, कारुलाल पिता भागीरथ वर्मा	सुगनाबेन सगुनीबेन पति स्व. रामलाल वर्मा, कारुलाल पिता भागीरथ वर्मा	सुगनाबेन सगुनीबेन पति स्व. रामलाल वर्मा	बंटवारा लेख
11	1386x7/2024	जिनकुशल विहार	39	प्लांट नं. बी-1	चंदादेवी पति प्रकाशचंद्र सेठिया	चंदादेवी पति प्रकाशचंद्र सेठिया	ईश्वरलाल पिता परसमल पाटीदार महेश पिता अंबालाल पाटीदार	विक्रय पत्र
12	1387x7/2024	केशव रिद्धि	39	प्लांट नं. एम-18	अरुण पिता विनोद गर्ग	रेखा पिता सत्यनारायण गुप्ता	तिलककुमारी पति पुष्पेन्द्रसिंह	विक्रय पत्र
13	1388x7/2024	जटिया मोहल्ला	35	प्लांट नं.-223	स्व. कारुलाल पिता स्व. भगवान जटिया	स्व. कारुलाल पिता स्व. भगवान जटिया	सम्पतबाई पति स्व. कारुलाल जटिया	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
14	1389x7/2024	नंदा नगर	5	प्लांट नं.-130	मुकेश पिता भवानी राठौर	मुकेश पिता भवानी राठौर	हरीश पिता गोपाल माली	विक्रय पत्र
15	1390x7/2024	पिपलेश्वर प्लांजा काम्पलेक्स ग्रीन वैली रोड	21	दुकान 2	नाम दर्ज नहीं है	कुमार जजवानी पिता गिरधारी जजवानी	मनोरमा पति राजेश यादव	विक्रय पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

मोदी कैबिनेट ने वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव किया मंजूर, शीतकालीन सत्र में बिल पेश होगा

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव को बुधवार 18 सितंबर को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, शीतकालीन सत्र में बिल पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में वन नेशन वन इलेक्शन का वादा किया था। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दी गई स्पीच में भी प्रधानमंत्री ने वन नेशन-वन इलेक्शन की वकालत की थी। उन्होंने कहा था कि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा पैदा कर रहे हैं। वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट 18 हजार 626 पन्नों की है। पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है। कमेटी ने सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक करने का सुझाव दिया है।

पैनल के 5 सुझाव– ❊ सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढाया जाए। ❊ हंग असेंबली (किसी को बहुमत नहीं), नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। ❊ पहले फेज में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं, उसके बाद दूसरे फेज में 100 दिनों के भीतर लोकल बॉडी के इलेक्शन कराए जा सकते हैं। ❊ चुनाव आयोग लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से सिंगल वोटर लिस्ट और वोटर आई कार्ड तैयार करेगा।

❊ कोविंद पैनल ने एक साथ चुनाव कराने के लिए उपकरणों, जनशक्ति और सुरक्षा बलों की एडवांस प्लानिंग की सिफारिश की है।

कमेटी में 8 सदस्य, सितंबर 2023 में बनी थी– पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अगुआई में 8 मेंबर की कमेटी पिछले साल 2 सितंबर को बनी थी। 23 सितंबर 2023 को दिल्ली के जोधपुर ऑफिसर्स हॉस्टल में वन नेशन वन इलेक्शन कमेटी की पहली बैठक हुई थी। इसमें पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व सांसद गुलाम नबी आजाद समेत 8 मेंबर हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कमेटी के स्पेशल मेंबर बनाए गए हैं।

वन नेशन-वन इलेक्शन की फिलहाल ये है संभावना– एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटेगा। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही लागू होगा। साथ ही इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिस शीप मेला कल

नीमच, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नीमच (डुंगलावदा) में एक दिवसीय प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन 20 सितम्बर 2024 प्रात:9 बजे से किया जा रहा है। सम्मिलित होने वाली कम्पनी का नाम एवं पदों की संख्या:-क्यूस क्रोप लिमिटेड, अडानी विलमार लिमिटेड ,धानुका ग्रुप ऑफ इण्ड्रीज एवं आर-डी इलेक्ट्रीकल्स एण्ड पॉवर।

शैक्षणिक योग्यता:- 10वी ,12वी एवं आईटीआई उत्रतीण पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते है। आयु:-18 से 23 वर्ष , स्टाइपेण्ड:- कम्पनी नियमानुसार प्रतिमाह एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त होगी। यदि आप मेले में भाग लेना चाहते है तो आयोजन के दिन उक्त स्थान पर अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सीवी, रिजूल्मि-05 प्रति, सहित 20 सितम्बर 2024 प्रात 9 बजे साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो। अप्रेन्टिशिप हेतु भर्ती,अप्रेन्टिशिप नियमों एवं कम्पनीयों के शर्तो अनुसार दी जाएगी। प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिशिप मेला (पीएमएनएएम) में प्रतिभागिता हेतु यात्रा भत्ता देय नही होगा।

कुड़ेल नदी पर पुलिया बनाने की मांग को लेकर हतनारा के ग्रामीणों का जल सत्याग्रह

अधिकारियों की समझाईश के बावजूद हटने को तैयार नहीं, कलेक्टर को बुलाने पर अड़ें सत्याग्रही

रतलाम, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम हतनारा के ग्रामीण सुबह से कुडैल नदी में जल सत्याग्रह कर रहे है। डेढ दर्जन से अधिक महिला पुरुष कुडैल नदी में खडे है। आन्दोलन कर रहे ग्रामीणों की मांग है कि कुडैल नदी पर पुलिया बनाई जाए ताकि वे अपने खेतों तक जा सके। भडके हुए ग्रामीणों को समझाने के लिए पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी मौके पर पंहुचे ,लेकिन ग्रामीण जन कलेक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अडे हुए है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार,ग्राम हतनारा के कई ग्रामीणों के खेत कुडैल नदी की दूसरी ओर है। इन किसानों के खेतों में फसलें पक चुकी है,लेकिन इन्हे अपने खेत तक जाने के लिए कुडैल नदी पार करना पडती है। किसान स्वयं तो जैसे तैसे तैर कर नदी पार कर सकता है,लेकिन अपनी फसल को नदी पार करवाकर लाना संभव नहीं है। जब से बोवनी हुई है किसान तो जैसे तैसे खेत तक चले जाते है लेकिन महिलाये खेतो तक नहीं जा पा जा रही है। अब किसानो की फैसले पक चुकी है और कटाई का समय पास आ रहा है लेकिन समस्या ये है कि वे अपनी फसले काट कर लाएंगे कैसे ? हतनारा के किसान लम्बे समय से कुडैल नदी पर पुलिया बनाने की मांग कर रहे है लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हतनारा के किसान,ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत और कलेक्टर तक को गुहार लगा चुके है,लेकिन अब तक उनकी मांग पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। आखिरकार थकहार कर आज हतनारा के किसानों ने जल सत्याग्रह शुरु कर दिया। गांव के डेढ दर्जन से ज्यादा महिला पुरुष कुडैल नदी में सुबह से खडे है।

विकासखंड स्तरीय रोजगार मेले में 107 युवाओं का प्राथमिक चयन हुआ

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत मंदसौर द्वारा विकासखंड मंदसौर में विकासखंड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 15 कम्पनियों में स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस बांसवाडा, संकल्प टेक्नोलॉजी पिपलिया मंडी , गेल इंडियन इंस्टीट्यूट स्किल डेवलपमेंट इंदौर, वेलसेन फार्मर फर्टिलाइजर आनंद गुजरात, एस आई एस नीमच , मारुति सुजुकी गुजरात ,जय भारत मारुति गुडगांव, शिव सोलुसन अहमदाबाद, अटेला ऑर्गेनिक दलौदा, जे बी एम कंपनी अहमदाबाद, नवभारत फर्टिलाइजर इंदौर, मेक्रोन मदरसन कंपनी गुजरात एलआईसी इंडिया कंपनी मंदसौर, सिद्धि विनायक बायो फर्टिलाइजर मंदसौर ,श्री राम एंटरप्राइजेज मंदसौर की कम्पनी थी । इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा,श्री नानालाल अटोलिया, श्री जीवन शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर डॉक्टर राम प्रताप सिंह पवार द्वारा रोजगार मेले में कंपनी प्रतिनिधियों से चर्चा कर कंपनियों की जानकारी ली गई। कम्पनी में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदाय कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्रीमती सोनिया कटारा जिला प्रबंधक रोजगार एवं कौशल उन्नयन व विकासखंड मंदसौर के आजीविका मिशन के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। मेले में कुल 142 युवाओं का पंजीयन किया जाकर 107 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया श्र फोटो संलग्न

भाव बढ़ने के साथ लहसून की चोरी भी बढ़ी, किसानों को करनी पड़ रही रखवाली

रतलाम, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। महंगा होने से चोर लहसुन भी चुराने लगे है। चोरों ने दस दिन में दो वाहनों, एक मकान, अरनियापीथा मंडी व दो गोदामों से लहसुन चोरी करने की वारदात की तथा हजारों रुपये कीमत का लहसुन चुराकर ले गए। पुलिस एक भी वारदात के आरोपितों का पता नहीं लगा पाई है। वहीं किसान लहसुन की रखवाली पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। पिछले दो माह में लहसुन के दामों में करीब दस हजार रुपये क्विंटल की तेजी आई है। किसानों का कहना है कि लहसुन के दाम बढने से चोर लहसुन चोरी की वारदाते कर रहे हैं। इसके कारण उन्हें गोदामों व अन्य स्थानों पर रखे लहसुन की निगरानी करना पड रही है।

मंडी से की चोरी– जावरा तहसील के ग्राम रेवास निवासी विशाल पांचाल दो सितंबर को ट्रैक्टर में लहसुन के आठ कट्टे भरकर अरनिया पीथा स्थित कृषि उपज मंडी ले गए थे। मंडी मैदान में वे लहसुन से भरा ट्रैक्टर खडा करके शाम साढे पांच बजे घर चले गए थे। रात में चोर ट्रैक्टर की तिरपाल फाडकर लहसुन के सात कट्टे चुराकर ले गए थे। इसी प्रकार मंडी परिसर में ही रखे राजू गिर निवासी ग्राम भीमाखेडी के लहसुन के दो कट्टे भी चोर ले गए थे।

चलते ट्रक से चुराए कट्टे– आठ सितंबर को महू-नीमच हाइवे के हसनपालिया होकर ट्रक चालक अंगुमुथर एमबीसी निवासी ग्राम सड्डियापडीयाची जिला सेलम (तमिलनाडू) अपने साथी मणीबी पुत्र बालू निवासी ग्राम वईकुंडम जिला सेलम के साथ ट्रक (टीएन-30/सीबी-1679) में तमिलनाडू के वड्डकप्पटी से लहसुन के कट्टे लेकर जावरा जा रहे थे। हसन पालिया के पास ट्रक से अज्ञात व्यक्ति लहसुन के दस कट्टे चुराकर ले गए। पीछे आ रहे एक वाहन चालक ने इशारा कर बताया ट्रक चालक को बताया था कि तुम्हारे ट्रक से कट्टे चुराए गए हैं। ट्रक रोककर चेक किया तो पीछे रस्सी कटी हुई थी और दस कट्टेकम थे। चालक ने औद्योगिक क्षेत्र थाना जावरा में रिपोर्ट कराई थी।

वेयर हाउस का ताला तोडा– नामली निवासी राहुल नाहटा ने सैलाना में स्थित कोठारी एग्रो वेयर हाउस किराये से ले रखा है। उन्होंने जून 2024 में वहां लहसुन के कट्टे रखे थे। वे आठ सितंबर को ताला लगाकर वेयर हाउस से घर गए थे। चौकीदार धूलचंद्र भी शाम छह बजे घर चला गया था। रात में चोर ताला तोडकर घुसे और 25 से 50 कट्टे चुराकर ले गए। प्रत्येक कट्टे में 30 से 40 किलो लहसुन था। उन्होंने सैलाना थाने पर रिपोर्ट की थी।

ढाबे के पास बने गोदाम से लहसुन ले गए चोर– जगदीश दंडिग निवासी अयोध्या बस्सी नामली ने नामली में ही एक ढाबे के पास स्थित गोदाम में लहसुन का स्टाक रखते हैं। पिछले दिनों गोदाम में लहसुन के 12 थैले, चार कट्टे व नौ बाक्स रखे थे। 11 व 12 सितंबर की दरमियानी रात चोर गेट का ताला तोडकर व सरियों को मोड कर गोदाम में घुसकर वहां से लहसुन के 12 थैले, एक कट्ठा व तीन बाक्स चुराकर ले गए थे। उन्होंने नामली थाने पर प्रकरण दर्ज कराया था।

खेत पर बने कमरे से चोरी– 13 सितंबर की रात किसान कन्हैयालाल निवासी ग्राम एरवास थाना ताल के खेत पर बने कमरे में रखे सात में छह कट्टे चोर चुराकर ले गए। कुछ देर बाद कन्हैयालाल को चोरी का पता चला तो उन्होंने भाई व दोस्तों के साथ चोरों की तलाश शुरू की तो ग्राम माल्या में आरोपित विजयपाल निवासी ग्राम करवाखेडी बाइक पर लहसुन का एक कट्ठा ले जाते दिखा। शंका होने पर रोकने का प्रयास करने पर वह बाइक व कट्ठा छोडकर भागने लगा था, तभी उसे पकडकर पुलिस को सौंप दिया गया था।

जिले की मनासा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली...

ग्राम पंचायत अल्हैड़ के सरपंच की एक अनोखी पहल

मनासा, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत अल्हेड के सरपंच आनंद श्रीवास्तव ने बताया की प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु आवास योजना मे वर्तमान में 29 हितगाहियों को आवास स्वीकृत हुए है।यह आवास वर्ष 2017 में हुए सर्वे एवं आरक्षण के आधार पर पोर्टल द्वारा ही प्राथमिकता क्रम निर्धारित होता है।

इसमें यदि कोईव्यक्ति आपको गलत जानकारी देता है अथवा आवास स्वीकृत कराने के नाम पर रिश्वत पैसे की मांग करता है ओर कहता है मैं सूची में नाम डलवा दूंगा तो ऐसे लोगो से सावधान रहें किसी भी फर्जी व्यक्ति या दलाल की बातों में ना आए। सभी पात्र हितग्राही निश्चित रहे 2017 पोर्टल पर कुल 275 आवास की स्वीकृति है जिसमे से पूर्व में 75 आवास बन गये है। अभी 29 आवास और मिले है अभी भी 171 आवास आना शेष है ग्राम पंचायत प्रयासरत है कि सभी पात्र हितग्राहियों जल्द आवास मिल जाये। सभी को पात्रता ओर पोर्टल पर दर्ज सूची अनुसार ही आवास मिलेंगे। जो आवास वर्तमान में आए है उनकी सूची पंचायत में चस्पा कर दी जाएगी। यदि आपको लगता है सूची में परिवर्तन हो सकता है मिलने वाले को पहले आवास दिया जासकता है तो आपके परिवार या जान पहचान का कोई भी सरपंच या सचिव अथवा अन्य पंचायत विभाग से संबंधित अधिकारी हो तो आप उससे तलाश कर सकते है प्राथमिकता क्रम किसी के हाथ मे नही होता है इसमे कोई हेरा फेरी नही कर सकता है। किसी को कोई जानकारी चाहिए तो पंचायत अथवा मुझसे व्यक्तिगत सम्पर्क करें मै हमेशा आपकी सेवा में तत्पर सदैव तैयार हूं।

पंचमुखी बालाजी मंदिर पर धूमधाम से चढ़ाई ध्वजा

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। गणेश चतुर्थी से मन्दसौर शहर में बालाजी मंदिरों पर ध्वजा चढाने की शुरुआत हिंदूवादी भाजपा युवा नेता गौरव अग्रवाल ने की थी। अनंत चतुर्दशी पर पंचमुखी बालाजी मंदिर पर धूमधाम से ध्वजा चढाई गई। उपस्थित धर्मप्रेमियों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद बालाजी की आरती की गई। युवाओं में ध्वजा अभियान को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। गणपति विसर्जन को लेकर सभी व्यस्त थे इसके बावजूद युवाओं ने ध्वजा चढाने का क्रम जारी रखा और जिला चिकित्सालय परिसर स्थित पंचमुखी बालाजी मंदिर पर ध्वजा चढाई गई। सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर आरती की इसके बाद प्रसादी वितरित की गई। गौरव ने बताया कि शनिवार को इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर उधम सिंह चौराहे पर ध्वजा चढाई जाएगी। सभी धर्मप्रेमी जनता से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लें।

मुख्यमंत्री ने एशियाई हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी में भारत की विजय पर दी बधाई

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियाई हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी - 2024 के फाइनल में भारतीय टीम की विजय पर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत ने खिताबी मुकाबले में चीन को पराजित कर एशियन चैम्पियन ट्रॉफी में पांचवीं बार विजय प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व और एशियाई खेल प्रतियोगिताओं में अपनी विजय पताका फहराता रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के तृतीय कार्यकाल के 100 दिन ऐतिहासिक

मुख्यमंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों की सराहना

मंदसौर, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के तृतीय कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने को ऐतिहासिक बताया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल के ये 100 दिन राष्ट्र की उन्नति और समग्र विकास के प्रति उनकी अटल प्रतिबद्धता के साक्षी हैं। आज देश का प्रत्येक व्यक्ति गर्व से कहता है कि 'मोदी जी जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं।' मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल में किए ऐतिहासिक कार्यों में महिलाओं का बेहतर भविष्य सुनिश्चित हुआ है। 90 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ महिलाएं सशक्त हुई। विकसित भारत के अन्नदाता समृद्ध हो रहे हैं। पी.एम. किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर 9.3 करोड़ किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपए अंतरित किए गए। भारत में बिछ रहा सड़कों के विशाल नेटवर्क में 50 हजार 600 करोड़ रुपए की लागत वाली 8 हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के तृतीय कार्यकाल में भारत में खडे हो रहे वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रेक्चर सडक, रेल, बंदरगाह और वायुमार्गों के विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सबका अपने घर का सपना साकार हो रहा है। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना में तीन करोड़ घरों के लिए 4.35 लाख करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। देश के प्रत्येक कोने में रेल नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। नई 8 रेलवे लाइन परियोजनाओं के लिए 24 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री 3.0 कार्यकाल में कर्मचारियों और पूर्व सैनिकों का कल्याण एकीकृत पेंशन योजना के तहत 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को 50 प्रतिशत पेंशन देने का निर्णय लिया गया। आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी नगारिकों को शामिल किया गया है। भारत के स्पेस सेक्टर को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए एक हजार करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि का आवंटन किया गया है। 100 दिन में देश के एमएसएमई सेक्टर को अत्यधिक बल देने के लिए एमयूडीआरए ऋण की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए की गई है।

वधु चाहिए
जाति बंधन नहीं,
कन्या, तलाकशुदा
या आंख से दिव्यांग
चलेगी।
अंतिम भाटी
उम्र 35 वर्ष
मो.-8962351390

प्रशासन द्वारा अनशन पर बैठे कछावा की सुध नही लेने पर प्रशासन के खिलाफ सर्व समाज उतरा सड़कों पर...

निकाली आक्रोश वाहन रैली, एसडीएम बारिया को सौंपा ज्ञापन

मनासा, 18 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 16 सुत्रीय मांगो को लेकर जिला पंचायत सदस्य के आमरन अनशन पर 9 दिन बाद भी प्रषासन को कोई अधिकारी सुध नही लेने पहुचा। इससे नाराज होकर बुधवार को सर्व समाज सडको पर उतरा और रामपुरा नांका से सर्व समाज ने आक्रोश वाहन रैली निकाली। रैली में 100 से ज्यादा बाइक थी। रैली रामपुरा नांका से गांधी चौक, सदर बाजार, अल्हेड दरवाजा, सब्जी मंडी ,बस स्टेंड , करगिल चौराहा होकर एसडीएम कार्यालय पहुची। जहां पर सर्व समाज के प्रतिनिधीयों ने प्रषासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसडीएम पवन बारिया को ज्ञापन सौपा। सर्व समाज द्वारा सौपे गए ज्ञापन में लिखा कि 9 दिन से जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी जो शारीरिक रूप से सक्षम नही है वो किसानो और आदीवासीयो के साथ हुए अन्याय के खिलाफ न्याय के लिए आमरन अनशन पर बैठा है। जिसने पिछले 9 दिनो से अन्न का एक दाना भी नही खाया। ऐसे में कछावा की तबियत बिगडने लगी है। जिसकी जान पर आफत आ सकती है। प्रशासन मानवीय संवेदना भूल गया है जिसने 9 दिन तक अनषन स्थल पर जाकर अनषनकर्ता से चर्चा तक करना भी उचित नही समझा। सर्व समाज मांग करता है कि अनशन स्थल पर बैठे जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी के स्वास्थ्य की चिंता कर उसके चेकअप के लिए एक चिकित्सक की ड्युटी लगाएं। प्रशासन भी मानवीय संवेदना का परिचय देकर सुध ले और उनके द्वारा रखी गई मांगो का प्रशासन स्तर पर हल कर अनशन समाप्त करवाएं। प्रषासन ने अगर कछावा के स्वास्थ्य की चिंता नही की और चर्चा नही की तो सर्व समाज मनासा विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव में धरना प्रदर्षन और आंदोलन करने पर मजबुर होना पडेगा। पहली बार किसानो और आदीवासीयो के लिए न्याय की लडाई लड रहे किसी जनप्रतिनिधी के समर्थन में सर्व समाज सडक पर आया है। सर्व समाज द्वारा सौपे गए ज्ञापन में जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्रशेखर पालीवाल, कुकडेश्वर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश राठौर, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी मनीष पोरवाल, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष लखन तुगनावत, युवा कांग्रेस विधानसभा महासचिव हिम्मतसिंह चंद्रावत छोटु बना, भारतसिंह खिंची सिरखेडा , पूर्व जनपद सदस्य जाकीर अंसारी, दौलतराम बंजारा, रामप्रसाद पाटीदार, राहूल बंजारा, परषराम बंजारा, पूर्व सरपंच सुरजमल बंजारा मालखेडा, सहित सर्व समाज के प्रतिनिधी उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष लखन तुगनावत ने किया और धन्यवाद जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी मनीष पोरवाल ने किया।

प्रशासन जब तक मांगे नही मानेगा अनशन जारी रहेगा– इधर अनषन पर बैठे जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी सर्व समाज के प्रतिनिधीयो को संबोधित करते हुए भावुक हो गए। आर.सागर कछावा ने कहा कि मेरी इस लडाई में आपने जो सडक पर आकर संघर्ष को मजबुती देने का काम किया है मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि प्रषासन जब तक 16 सुत्रीय मांगे नही मानेगा तब तक मैं हार मानने वाला नही हूं। 10 दिन तो क्या मै न्याय के लिए अंतिम सांस तक लडाई लडूगा। प्रषासन शासन स्तर की मांगो का हवाला देकर अपने दायित्व से पल्ला झाड रहा है। 16 मांगो में से कई मांगे तो एसडीएम और कलेक्टर स्तर की है जिन्हे दोनो ही अधिकारी हल कर सकते है। सर्व समाज के समर्थन में पर आने पर कछावा का गला रूंद गया और वे भावुक हो गए। कछावा की आंखो से आंसु निकल आएं।

सर्व समाज ने ज्ञापन दिया– उनकी जो मांगे है उनके बारे में कलेक्टर को अवगत करा दिया है। उनके स्वास्थ्य का प्रतिदिन चेकअप हो रहा है। अभी उनका स्वास्थ्य ठीक है। और कुछ मांगे जो है उनके बारे में कलेक्टर से चर्चा करेगे वे जैसे निर्देश देगे उनका पालन करेगे। साथ ही प्रयास करेगे की अनषन जल्दी समाप्त हो। कछावा के स्वास्थ्य की चिंता प्रशासन कर रहा है।

पवन बारिया एसडीएम मनासा

नाम परिवर्तन सूचना
मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम अनिल खटीक पिता मदनलाल नाम दर्ज है। जो कि गलत है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अनिल है। जो सही है। अतः आईन्दा आगे से मुझे मेरे सही अनिल पिता मदनलाल के नाम से जाना व पहचाना जाए।
पता- अनिल पिता मदनलाल
म.नं.174, वार्ड नं.9, तहसील सीतामऊ
पोस्ट-महुवा, महुवां मंदसौर (म.प्र.) 458990

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 21 सितम्बर को शाम 5 से रात 8 और
रविवार 26 सितम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-❊ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ❊ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ❊ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ❊ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ❊ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ❊ शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ❊ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ❊ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ❊ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ❊ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे,
स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in